# कोटा की सातवीं इकाई में बिजली उत्पादन प्रारंभ

# प्रतिदिन 42 लाख यूनिट बिजली मिलेगी

जयपुर, 4 अगस्त। कोटा सुपर ताप बिजलीघर की 195 मेगावाट क्षमता की सातवीं इकाई में मंगलवार शाम से व्यावसायिक उत्पादन प्रारंभ हो गया। इस इकाई को इसी साल 30 मई को सिंक्रोनाइज किया गया था।

ऊर्जा मंत्री डा. जितेन्द्रसिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस इकाई में पूर्ण क्षमता से उत्पादन प्रारंभ पर प्रदेश को प्रतिदिन 42 लाख यूनिट बिजली मिलेगी। उन्होंने कहा कि सातवीं इकाई में उत्पादन प्रारंभ होने के साथ ही कोटा ताप बिजलीघर की कुल अधिष्ठापित क्षमता 1240 मेगावाट हो गई है।

इस इकाई के कोयले से बिजली उत्पादन प्रारंभ होने के समय राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डा. एस.के.कल्ला, निगम के निदेशक श्री एम. एल. कोठारी, विशेष कार्याधिकारी श्री टी.के. बरडिया, मुख्य अभियंता श्री विजय कुमार और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस इकाई के निर्माण पर करीब 880 करोड़ रुपए की लागत आई है।

ऊर्जामंत्री ने कहा कि सूरतगढ़ सुपर ताप बिजलीघर की 250 मेगावाट क्षमता की छठी इकाई में व्यावसायिक उत्पादन प्रारंभ करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है और कुछ दिनों में ही इससे कोयले से बिजली उत्पादन प्रारंभ हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस इकाई में पूर्ण क्षमता से उत्पादन प्रारंभ होने पर राज्य को प्रतिदिन 55 लाख यूनिट बिजली मिलने लगेगी।

डा. जितेन्द्रसिंह ने बताया कि इसी साल अगस्त माह के अंत तक बारां जिले में छबड़ा ताप बिजलीघर की 250 मेगावाट क्षमता की पहली इकाई में भी व्यावसायिक उत्पादन प्रारंभ करने का काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि छबड़ा की पहली इकाई में पूरी क्षमता से बिजली बनने पर जहां बिजली की उपलब्धता में 55 लाख यूनिट प्रतिदिन की बढ़ोतरी होगी वहीं तीनों इकाईयों से डेढ़ सौ लाख यूनिट अधिक मिलने से रबी में किसानों को पर्याप्त बिजली दी जा सकेगी। डा. सिंह ने कहा कि छबड़ा की 250 मेगावाट क्षमता की दूसरी इकाई की स्थापना का काम भी पूरी तेजी से चल रहा है। इससे वित्तीय वर्ष के अंत तक बिजली मिलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।